हिन्दी

अध्याय-2: दादी माँ

SHIVOM CLASSES 8696608541

02 दादी माँ

- शिवप्रसाद सिंह

सारांश

प्रस्तुत कहानी में लेखक अपनी दादी की मृत्यु के बाद, उनके साथ बिताए हुए समय को याद करते हैं। लेखक अपने बचपन के उन दिनों को याद करते हैं जब उनके गाँव में बरसात का पानी बहकर अपने साथ मोठा, साई, अधगली घास, घेउर, बनप्याज की जड़ें और विविध प्रकार के बरसाती घासों के बीजों को ले आता था। रास्तों में कीचड़ सूख जाता था। इससे गाँव के लड़के किनारों पर भरे जलाशयों में धमाके से कूदते थे। लेखक ऐसे ही जलाशय में दो-एक दिन भी नहीं कूद पाए थे कि बीमार पड़ गए। दिनभर चादर लपेटे सोये रहे। लेखक की दादी बड़ी चिंतित हो जाती है और दिनभर लेखक की चारपाई के पास बैठकर पंखा झलती, सर पर दालचीनी रखती, बीसों पर सिर पर हाथ फेरती रहती।

लेखक की दादी को गाँव की पचासों किस्म की दवाओं के नाम याद थे। लेखक के गाँव में कोई भी बीमार होता तो दादी उसके पास पहुँच जाती और उसकी देखभाल करती। उन्हें भूत से लेकर मलेरिया, सरनाम, निमोनिया तक का ज्ञान था।

लेखक के पास आज आधुनिक सुख-सुविधाएँ हैं लेकिन उसमें दादी जैसा स्नेह है। किशन भैया की शादी में दादी के खुशी का ठिकाना ही नहीं था। सारा कामकाज उन्हीं की देख-रेख में हुआ।

लेखक ने एक दिन देखा कि उनकी दादी रामू की चाची पर बिगड़ रही थी कि उसने अभी तक फसल कट चुकने पर भी दादी के पैसे क्यों नहीं चुकाए। इधर बिटिया की शादी के कारण वह अपना उधार चुकाने में असमर्थ थी। कई दिन बाद लेखक ने इसी रामू की चाची को देखा तो बहुत खुश नजर आ रही थी कारण जानने पर पता चला कि दादी ने न केवल उसका उधार माफ़ कर दिया बल्कि उसे 10 रुपए भी दिए।

किशन भैया की शादी की याद करते हुए लेखक कहते हैं कि विवाह के पहले चार-पाँच रोज पहले औरतें रात-भर गीत गाती है। विवाह की रात को अभिनय भी होता है। जिसमें विवाह से लेकर पुत्र-उत्पत्ति के सारे प्रसंग का अभिनय किया जाता है। सारे पात्र औरतें की करती

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

है। लेखक बीमार होने के कारण पास में ही चारपाई पर सुला दिया गया था। इस पर सबने ऐतराज किया तब दादी ने आकर बीच-बचाव किया था।

दादा की मृत्यु के बाद दादी उदास रहने लगी। संसार उन्हें धोखे से भरा मालूम पड़ रहा था। दादाजी के श्राद्ध में दादी माँ के मना करने के बावजूद लेखक के पिता ने बहुत अधिक खर्च कर दिया जिसके कारण परिवार पर कर्ज हो गया। दादी ने ऐसे बुरे समय में भी अपने परिवार की निशानी सोने के कंगन पिताजी को कर्ज चुकाने के लिए दिए। उस समय लेखक को उनकी दादी कोई शापभ्रष्ट देवी-सी लगी।

दादी को याद करते-करते लेखक अपने वर्तमान में लौट आते हैं और किशन भैया का पत्र अब भी उनके हाथ में हैं और उन्हें अब भी विश्वास नहीं होता कि सचमुच उनकी दादी नहीं रही।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

कविता से प्रश्न (पृष्ठ संख्या 10)

प्रश्न 1 लेखक को अपनी दादी माँ की याद के साथ-साथ बचपन की और किन-किन बातों की याद आ जाती है?

उत्तर- जब लेखक को मालूम हुआ कि दादी माँ की मृत्यु हो गयी है तो उनके सामने दादी माँ के साथ बिताईं गई कई यादें सजीव हो उठती है। उसे अपने बचपन की स्मृतियाँ-गंधपूर्ण झाग भरे जलाशयों में कूदना, बीमार होने पर दादी का दिन-रात सेवा करना, किशन भैया की शादी पर औरतों द्वारा किए जानेवाले गीत और अभिनय के समय चादर ओढ़कर सोना और पकड़े जाना साथ ही उसे रामी चाची की घटना भी याद आ जाती हैं।

प्रश्न 2 दादा की मृत्यु के बाद लेखक के घर की आर्थिक स्थिति खराब क्यों हो गयी थी?

उत्तर- दादा की मृत्यु के पश्चात् लेखक के घर की आर्थिक स्थिति खराब होने का कारण उनके पिताजी व भैया द्वारा धन का सही उपयोग न किया जाना था। ग़लत मित्रों की संगति से सारा धन नष्ट कर डाला। दादा के श्राद्ध में भी दादी माँ के मना करने पर भी लेखक के पिताजी ने अपार संपत्ति व्यय की।

प्रश्न 3 दादी माँ के स्वभाव का कौन सा पक्ष आपको सबसे अच्छा लगता है और क्यों?

उत्तर- दादी माँ के स्वभाव का सेवा, संरक्षण, परोपकारी व सरल स्वभाव आदि का पक्ष हमें सबसे अच्छा लगता है। दादी माँ मुँह से भले कड़वी लगती थी परन्तु घर के सदस्यों तथा दूसरों की आर्थिक मदद के लिए हर समय तैयार रहती थी। रामी चाची का कर्ज माफ़ कर उसे नकद रूपए भी दिए ताकि उसकी बेटी का विवाह निर्विघ्न संपन्न हो जाए। इन्हीं के कारण ही वे दूसरों का मन जीतने में सदा सफल रहीं।

कविता से आगे प्रश्न (पृष्ठ संख्या 10-11)

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 1 आपने इस कहानी में महीनों के नाम पढ़ें, जैसे – क्वार, आषाढ़, माघ। इन महीनों में मौसम कैसा रहता है, लिखिए।

उत्तर- क्वार– इस महीने में न तो अधिक गर्मी और न ही अधिक सर्दी होती है अर्थात् हल्की-हल्की ठंड रहती है। आमतौर पर मौसम साफ़ रहता है।

आषाढ़– वैसे यह मौसम वर्षा का होता है परन्तु इस महीने वर्षा न हो तो गर्मी बढ़ जाती है।

माघ– इस महीने में अत्यधिक सर्दी होती है।

प्रश्न 2 'अपने-अपने मौसम की अपनी बातें होती हैं' –लेखक के इस कथन के अनुसार यह बताइए कि किस मौसम में कौन-कौन सी चीज़ें विशेष रूप से मिलती हैं?

उत्तर- क्वार के महीने में तरबूज, खरबूज, फालसे और लीची मिलते हैं।

आषाढ़ के महीने में आम, जामुन और खीरा मिलते हैं।

माघ के महीने में अंगूर, केले, अमरुद और गुड मिलते हैं।

अनुमान और कल्पना प्रश्न (पृष्ठ संख्या 11)

प्रश्न 1 इस कहानी में कई बार ऋण लेने की बात आपने पढ़ी। अनुमान लगाइए, किन-किन पारिवारिक परिस्थितियों में गाँव के लोगों को ऋण लेना पड़ता होगा और यह उन्हें कहाँ से मिलता होगा? बड़ों से बातचीत कर इस विषय में लिखिए।

उत्तर- गाँव में अधिकांश घरों में गरीबी का वास होता है और कई ऐसी परिस्थितियाँ आ जाती हैं जब लोग ऋण लेने के लिए विवश हो जाते हैं। उदाहरण के लिए- फसलों की बुआई के समय, किसी कारणवश फसल के नष्ट हो जाने पर, बेटी के विवाह में, बच्चों की फीस जमा करने के लिए, पशु खरीदने के लिए, किसी पारिवारिक सदस्य की मृत्यु के बाद उसके अंतिम संस्कार के लिए या बेटे के शहर जाने की व्यवस्था करने के लिए प्रायः लोग ऋण लिया करते हैं। गाँवों में आमतौर पर जमींदार, महाजन या साहूकार ऋण दिया करते हैं लेकिन आधुनिक युग में बैंक, पोस्ट ऑफिस तथा सहकारी समितियों से लोगों को विभिन्न प्रयोजनों हेतु ऋण मिलने लगा है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 2 घर पर होनेवाले उत्सवों/ समारोहों में बच्चे क्या-क्या करते हैं? अपने और अपने मित्रों के अनुभवों के आधार पर लिखिए।

उत्तर- घर पर होने वाले उत्सव या समारोह में काम की जिम्मेदारी बड़ों पर ही होती है। बच्चे इन दिनों पढ़ाई-लिखाई की चिंता से मुक्त रहते हैं। बड़ों की व्यस्तता के कारण उन्हें डाँट-डपट से भी आजादी मिल जाती है। वह नए कपड़े पहनकर स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेते हैं तथा अपने हमउम्र साथियों के साथ मिलकर नाचते-गाते, खेलते-कूदते तथा ऊधम मचाते हैं।

भाषा की बात प्रश्न (पृष्ठ संख्या 11)

प्रश्न 1 नीचे दी गई पंक्तियों पर ध्यान दीजिए –

जरा-सी कठिनाई पड़ते

अनमना-सा हो जाता है

सन-से सफेद

समानता का बोध कराने के लिए सा, सी, से का प्रयोग किया जाता है।

ऐसे पाँच और शब्द लिखिए और उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए।

उत्तर-

1. नीला-सा: आकाश नीला-सा हो गया है।
2. रुई-से: नानीजी के बाल रुई-से सफ़ेद हो गए थे।
3. मिश्री-सी: बाल कृष्ण की बातें गोपियों को मिश्री-सी लगती थीं।
4. चाँद-सा: उसका चेहरा चाँद-सा गोल है।
5. सागर-सी: उसकी आँखों में सागर सी गहराई है।

प्रश्न 2 कहानी में 'छू-छूकर ज्वर का अनुमान करतीं, पूछ-पूछकर घरवालों को परेशान कर देतीं' – जैसे वाक्य आए हैं। किसी क्रिया को ज़ोर देकर कहने के लिए एक से अधिक बार एक ही शब्द का प्रयोग होता है। जैसे वहाँ जा-जाकर थक गया, उन्हें ढूँढ़-ढूँढ़कर देख लिया।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

इस प्रकार के पाँच वाक्य बनाइए।

उत्तर-

1. बच्चे अपने उत्तरों को बोल-बोलकर याद कर रहे थे।
2. उस नन्हें बच्चे की शरारतों को देख-देखकर हम थक गए थे।
3. ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाकर तुम क्या साबित करना चाहते हो?
4. बार-बार उसके उस सवाल से हम तंग आ गए थे।
5. पुलिस ने अपराधी को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया।

प्रश्न 3 बोलचाल में प्रयोग होनेवाले शब्द और वाक्यांश 'दादी माँ' कहानी में हैं। इन शब्दों और वाक्यांशों से पता चलता है कि यह कहानी किसी विशेष क्षेत्र से संबंधित है। ऐसे शब्दों और वाक्यांशों में क्षेत्रीय बोलचाल की खूबियाँ होती हैं। उदाहरण के लिए – निकसार, बरह्मा, उरिन, चिउड़ा, छौंका इत्यादि शब्दों को देखा जा सकता है। इन शब्दों का उच्चारण अन्य क्षेत्रीय बोलियों में अलग ढंग से होता है, जैसे – चिउड़ा को चिड़वा, चूड़त्र, पोहा और इसी तरह छौंका को छौंक, तड़का भी कहा जाता है। निकसार, उरिन और बरह्मा शब्द क्रमशः निकास, उऋण और ब्रह्मा शब्द का क्षेत्रीय रूप हैं। इस प्रकार के दस शब्दों को बोलचाल में उपयोग होनेवाली भाषा/ बोली से एकत्र कीजिए और कक्षा में लिखकर दिखाइए।

उत्तर- काहे, बंदा, किरपा, कार-परोजन, लचमन, आपा, भनक, घना, बटेऊ आदि।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)